# हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान, शिमला में हिंदी पखवाड़े का समापन

हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान, शिमला में दिनांक 14 से 28 सितम्बर 2015 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया I इस आयोजन के दौरान राष्ट्र भाषा हिंदी के प्रचार एवं प्रसार हेतु संस्थान द्वारा विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें मुख्य रूप से प्रश्न-मंच, निबंध-लेखन, नारा-लेखन, तथा नोटिंग-ड्राफ्टिंग इत्यादि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया I

इस समारोह के मुख्य अतिथि **डॉ. के. एस. कपूर**, कार्यालयाध्यक्ष एवं समूह समन्वयक (शोध), ने अपने संबोधन में कहा कि हिन्दी सरल और सुबोध भाषा है । यह एक वैज्ञानिक भाषा है । इसमें जो बोला जाता है वही लिखा जाता है । इसका साहित्य समृद्ध है । तुलसी, सुर, मीरा, गुरु-नानक ने इसी भाषा में काव्य रचना की । कई लेखकों और कवियों ने हिन्दी के माध्यम से ही देश के लोगों में राष्ट्रीय चेतना को जगाया था । गांधी जी ने ही हिन्दी को राष्ट्र की उन्नति का मूल समझकर यह घोषणा नहीं की थी , प्रत्युत उनसे पूर्व भी देश के सभी अंचलों के समाज-सुधारकों, संतों और नेताओं ने इसके महत्व को समझ लिया था। इस प्रकार हिन्दी राष्ट्रीय एकता में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है ।

उन्होंने संस्थान के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आहवान किया कि कार्यालय में अधिक-से-अधिक कार्य हिंदी में ही किया जाये तथा राजभाषा अधिनियम तथा इस से सम्बंधित नियमों का पूरी तरह से पालन किया जाना चाहिए I डॉ. कपूर ने आगे कहा कि हिन्दी को यह महत्व केवल इसलिए ही नहीं है कि वह सारी भारतीय भाषाओं में ऊँची है , बल्कि उसे 'राष्ट्रभाषा' इसलिए कहा और समझा जाता है कि हिन्दी को जानने, समझने और बोलने वाले देश के कोने-कोने में फैले हुए हैं। ये लोग चाहे हिन्दी न जानते हों , व्याकरण की उचित जानकारी न भी हों, अशुध्द हिन्दी बोलते हों; परंतु बोलते हिन्दी ही हैं और उसी में अपने भाव व्यक्त करते एवं दूसरों की बात समझते हैं। वास्तव में हिन्दी की यह प्रकृति ही देश की एकता की परिचायक है और इस प्रकृति ने ही उसे इतना व्यापक रूप दिया है। वह केवल हिन्दुओं या कुछ मुट्ठी-भर लोगों की भाषा नहीं है; वह तो देश के कोटि-कोटि कंठों की पुकार और उनका हृदयहार है।

हिंदी पखवाड़े के समापन समारोह पर, संस्थान के हिंदी अधिकारी, **डॉ. राज कुमार वर्मा** ने कहा

कि भारत में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं । भारत की मुख्य भाषा हिन्दी है, हिन्दी सभी देशवासियों को एक सूत्र में जोड़ती है । सांस्कृतिक दृष्टि से भारत के विविधता में एकता के दर्शन होते हैं । हिन्दी भारत की राष्ट्रभाषा है । संविधान कि 34वीं धारा के अनुसार इसे 14 सिंतम्बर 1950 को राष्ट्रभाषा के रूप मैं घोषित किया गया । संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी । उस समय यह निर्णय लिया गया कि संविधान लागू होने के 15 वर्ष बाद हिन्दी इस देश की राष्ट्रभाषा होगी अर्थात सन 1965 तक अंग्रेजी को राजभाषा के रूप में मान्यता दी गयी थी, परन्तु कुछ कारणों से अब तक हमारे देश में अंग्रेजी का ही बोलबाला है । हिन्दी को वह स्थान प्राप्त नहीं हो सका जो उसे मिलना चाहिए था ।

कार्यक्रम का संचालन, श्री दिनेश धीमान, आशुलिपिक ग्रेड-I ने किया तथा उन्होंने राजभाषा सविंधान तथा इससे सम्बंधित नियमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा संस्थान समस्त अधिकारियों तथा कर्मचारियों से आग्रह किया कि इन नियमों का पालन करना हमारी सवैंधानिक जिम्मेवारी के साथ-साथ नैतिक कर्तव्य भी है I उन्होंने आगे बताया कि भारत सरकार की यह मंशा है कि राजभाषा को लोगों पर थोपा न जाये बल्कि सरकार द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे है कि इसे एक लोकप्रिय भाषा बनाया जाये ताकि इसे लोग किसी दबाव में न आकर दिल से अपनाएं I

हिंदी पखवाड़े के दौरान संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में संस्थान के कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर भग लिया जिसमें प्रश्न-मंच में श्री दुष्यंत कुमार तथा श्याम-सुंदर ने प्रथम स्थान, गुलेर सिंह तथा कृष्ण देव नें द्वितीय तथा प्रवीण कुमार तथा रोहित की जोड़ी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया; निबंध-लेखन, नारा-लेखन, तथा नोटिंग-ड्राफ्टिंग इत्यादि का आयोजन किया गया, निबंध लेखन में श्याम-सुंदर ने प्रथम, प्रवीन कुमार ने द्वितीय तथा कृष्ण कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा नारा-लेखन में श्रीमती नर्वदा पाल ने प्रथम, दृष्टि शर्मा ने द्वितीय तथा शिवानी गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया I विजेताओं को मुख्य-अतिथि द्वारा पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया I

# हिंदी पखवाड़े के दौरान प्रतियोगिताओं का परिणाम

| प्रतियोगिता का नाम | प्रतियोगी का नाम | स्थान | निर्णायक |
|---|---|---|---|
| प्रश्न मंच | 1. दुष्यंत कुमार, अनुसन्धान सहायक<br>श्याम सुंदर, तकनीकी सहायक | प्रथम | डॉ. संदीप शर्मा<br>डॉ. अश्वनी तप्वाल |
| | 2. गुलेर सिंह, अवर श्रेणी लिपिक<br>कृष्ण देव, अवर श्रेणी लिपिक | द्वितीय | |
| | 3. प्रवीन कुमार, अवर श्रेणी लिपिक<br>रोहित कुमार, अवर श्रेणी लिपिक | तृतीय | |
| | 4. विजय भारती, परियोजना सहायक<br>हरीश कुमार, परियोजना सहायक | सांत्वना | |
| निबंध लेखन | 1. श्याम सुंदर, तकनीकी सहायक | प्रथम | डॉ. राजेश शर्मा<br>श्री राजिंदर शर्मा |
| | 2. प्रवीण कुमार, अवर श्रेणी लिपिक | द्वितीय | |
| | 3. कृषण देव, अवर श्रेणी लिपिक | तृतीय | |
| | 4. कुलवंत राय गुलशन, तकनीकी सहायक | सांत्वना | |
| नारा लेखन | 1. नर्वदा पाल, आशुलिपिक, ग्रेड-I | प्रथम | डॉ. राज कुमार वर्मा<br>डॉ. पवन कुमार |
| | 2. दृष्टि शर्मा, तकनीकी सहायक | द्वितीय | |
| | 3. शिवानी गुप्ता, परियोजना सहायक | तृतीय | |
| | 4. सोनिका शर्मा, तकनीकी सहायक | सांत्वना | |
| | 5. श्री प्रवीन कुमार, अवर श्रेणी लिपिक | सांत्वना | |
| | 6. कुलवंत राय गुलशन, तकनीकी सहायक | सांत्वना | |
| | 7. श्याम सुंदर, तकनीकी सहायक | सांत्वना | |
| नोटिंग-ड्राफ्टिंग | 1. प्रवीन कुमार, अवर श्रेणी लिपिक | प्रथम | श्री उद्दाम राम<br>श्रीमती सुमन कौशल |
| | 2. दुष्यंत कुमार, अनुसन्धान सहायक | द्वितीय | |
| | 3. नर्वदा पाल, आशुलिपिक, ग्रेड-I | तृतीय | |
| | 4. कुलवंत राय गुलशन, तकनीकी सहायक | सांत्वना | |

# हिंदी पखवाड़े के समापन समारोह की झलकियाँ

नारा-लेखा प्रतियोगिता का आयोजन

कंप्यूटर पर हिंदी टंकण प्रतियोगिता का आयोजन

प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन

निबंध-लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

नोटिंग-ड्राफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन

विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजक एवं निर्णायक

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
हिन्दी पखवाड़ा समारोह
14 से 28 सितम्बर 2015

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
हिन्दी पखवाड़ा समारोह
14 से 28 सितम्बर 2015

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
हिन्दी पखवाड़ा समारोह
14 से 28 सितम्बर 2015

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
हिन्दी पखवाड़ा समारोह
14 से 28 सितम्बर 2015

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
2015

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
2015

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान,
हिन्दी पखवाड़ा समारोह
14 से 28
2015

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
हिन्दी पखवाड़ा समारोह
2015

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
हिन्दी पखवाड़ा समारोह
14 से 28 सितम्बर 2015

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
हिन्दी पखवाड़ा समारोह
14 से 28 सितम्बर 2015

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
हिन्दी पखवाड़ा समारोह
14 से 28
2015

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
हिन्दी पखवाड़ा समारोह
14 से 28

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
हिन्दी पखवाड़ा समारोह
14 से 28 सितम्बर

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
हिन्दी पखवाड़ा समारोह
14 से 28 सितम्बर 201

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
हिन्दी पखवाड़ा समारोह

हि.व.अ.सं.
HFRI

# मीडिया कवरेज

## निबंध लेखन स्पर्धा में श्याम सुंदर प्रथम

### हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान में हिंदी पखवाड़े के समापन पर झटका खिताब

हिमाचल दस्तक ब्यूरो। शिमला

**हिमालयन** वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में 14 सितंबर से चल रहे हिंदी पखवाड़े का समापन मंगलवार को हुआ। इस आयोजन के दौरान राष्ट्र भाषा हिंदी के प्रचार एवं प्रसार हेतु संस्थान द्वारा विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इनमें मुख्य रूप से प्रश्न-मंच, निबंध-लेखन, नारा-लेखन तथा नोटिंग-ड्राटिंग इत्यादि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस समारोह पर कार्यालयाध्यक्ष एवं समूह समन्वयक ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उन्होंने कहा कि हिंदी सरल एवं सुबोध भाषा है और यह एक वैज्ञानिक भाषा है, इसमें जो बोला जाता है वही लिखा जाता है। इसका साहित्य समृद्ध है। तुलसी, सुर, मीरा, गुरु-नानक ने इसी भाषा में काव्य रचना की। इसके साथ ही कई लेखकों और कवियों ने हिंदी के माध्यम से ही देश के लोगों में राष्ट्रीय चेतना को जगाया था। उन्होंने संस्थान के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आह्वान किया कि कार्यालय में अधिक से अधिक कार्य हिंदी में ही किया जाए तथा राजभाषा अधिनियम तथा इस से संबंधित नियमों का पूरी तरह से पालन किया जाना चाहिए। समापन समारोह पर संस्थान के हिंदी अधिकारी, डॉ. राज कुमार वर्मा ने कहा कि भारत में अनेक भाषाएं बोली जाती हैं। भारत की मुख्य भाषा हिंदी है, हिंदी सभी देशवासियों को एक सूत्र में जोड़ती है। इस अवसर पर हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के कार्यालयध्यक्ष डॉ. कुलराज सिंह कपूर उपस्थित रहे।

#### ये रहे विजेता

हिंदी पखवाड़े के दौरान संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में संस्थान के कर्मियों ने भाग लिया। निबंध-लेखन, नारा-लेखन तथा नोटिंग-ड्राटिंग इत्यादि का आयोजन किया गया। निबंध में श्याम-सुंदर ने प्रथम, प्रवीन कुमार ने द्वितीय तथा कृष्ण कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। नारा-लेखन में नर्वदा ने प्रथम, दृष्टि शर्मा ने द्वितीय तथा शिवानी गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को मुख्यातिथि द्वारा पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया।

### अमरेंद्र प्रताप सिंह विजेता, संतोष उपविजेता

शिमला। बीएसएनएल के कसुम्पटी स्थित प्रदेश मुख्यालय के मुख्य महाप्रबंधक दूरसंचार कार्यालय में इस वर्ष हिंदी पखवाड़ा 14 से 28 सितम्बर तक मनाया गया। सोमवार को हिंदी पखवाड़े का समापन समारोह आयोजित किया गया। इसकी अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक सुबोध कुमार गप्ता ने की। समापन समारोह के अवसर पर चितराम चौहान उपमहाप्रबंधक प्रशासन ने गृहमंत्री राजनाथ सिंह द्वारा हिंदी पखवाड़े पर जारी अपील पढ़कर सुनाई। राजभाषा अधिकारी शंकर लाल गौतम ने संघ की राजभाषा नीति पर विस्तृत प्रकाश डाला। हिंदी निबंध प्रतियोगिता में अमरेंद्र प्रताप सिंह प्रथम पुरस्कार, संतोष कुमार शर्मा द्वितीय पुरस्कार, अजय कुमार तृतीय पुरस्कार, पवन कुमार को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। हिंदी टिप्पण एवं प्रारूपण प्रतियोगिता में सुखदेव सिंह, जसवाल को प्रथम पुरस्कार, संतोष कुमार शर्मा को द्वितीय पुरस्कार, प्रदीप सिंह ठाकुर को तृतीय पुरस्कार, प्रदीप हेटा को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। राजभाषा एवं सामान्य हिंदी प्रतियोगिता में सुखदेव सिंह जसवाल का प्रथम पुरस्कार, प्रदीप सिंह ठाकुर को द्वितीय पुरस्कार, अमरेंद्र प्रताप सिंह को तृतीय पुरस्कार, सत्री चंबयाल को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। हिंदी सुलेख प्रतियोगिता में ब्रजेश गुप्ता को प्रथम पुरस्कार, प्रदीप हेटा को द्वितीय पुरस्कार, सुखदेव सिंह जसवाल को तृतीय पुरस्कार, राजेंद्र सुमन को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। कंप्यूटर पर हिंदी टंकण प्रतियोगिता में अमरेंद्र प्रताप सिंह को प्रथम पुरस्कार, यश पाल को द्वितीय पुरस्कार, प्रदीप सिंह को तृतीय पुरस्कार, जिया लाल को प्रोत्साहन पुरस्कार वितरित किया गया।

### छात्रों ने प्रस्तुत की कविताएं और हिंदी गीत

शिमला। केंद्रीय विद्यालय जतोग छावनी में हिंदी पखवाड़े का समापन समारोह मंगलवार को विद्यालय परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूर्व पोस्टमास्टर जरनल तथा प्रसिद्ध कवि तेजराम शर्मा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने कविताएं व हिंदी गीत प्रस्तुत किए।

### कविता पाठ में प्रशांत कुमार ने मारी बाजी

शिमला। महालेखाकार कार्यालय में हिंदी पखवाड़े का समापन किया गया। इस अवसर पर महालेखाकारा सुशील कुमार की मुख्यातिथि रहे। पखवाड़े के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कविता पाठ में पहला स्थान प्रशांत कुमार, दूसरा सुषमा शर्मा व तीसरा स्थान अजीत सिंह ने प्राप्त किया। आशुभाषण में राकेश कुमार ने पहला, दूसरा अरूण कुमार ने तथा तीसरा स्थान के एल गौतम ने प्राप्त किया। वाद विवाद में प्रशांत कुमार ने पहला स्थान प्राप्त किया। दूसरा स्थान के एल गौतम व तीसरा स्थान अजीत सिंह ने प्राप्त किया। चित्र लेखन में पहला पंकज कुण्डू ने प्राप्त किया। दूसरा स्थान दिनकर तथा तीसरा स्थान पुष्पेंद्र ने प्राप्त किया। श्रुतलेख में राजेश कुमारने पहला, यादवेंद्र ने दूसरा तथा राकेश ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। अनुवाद में यादवेंद्र ने पहला, निरंजन ने दूसरा तथा दिनकर जोशी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। निबंध में धर्मेंद्र ने पहला, सिद्धार्थ शुक्ला ने दूसरा तथा पंकज कुण्डू ने तीसरा स्थान हासिल किया। टिप्पण आलेखन में नेत्र चौहान ने पहला, मृदुला सूद ने दूसरा तथा अरूण कुमार गुप्ता ने तीसरा स्थान हासिल किया। कंप्यूटर पर हिंदी टंकण में सुखलाल ने पहला, रूपेंद्र ने दूसरा तथा नीरज कुमार ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

---

**हिंदी पखवाड़ा** | हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान की प्रश्नमंच प्रतियोगिता में दुष्यंत व श्याम-सुंदर की जोड़ी प्रथम

## कार्यालयों में अधिक से अधिक काम हिंदी में हो

### हिंदी को नहीं मिल रहा उचित स्थानः कपूर

सिटी रिपोर्टर| शिमला

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान (एचएफआरआई) शिमला में 14 से 28 सितंबर तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस दौरान राष्ट्र भाषा हिंदी के प्रचार एवं प्रसार के लिए संस्थान की ओर से विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें मुख्य रूप से प्रश्न-मंच, निबंध-लेखन, नारा-लेखन, तथा नोटिंग-ड्राफ्टिंग इत्यादि प्रतियोगिता शामिल है।

समारोह में कार्यालयाध्यक्ष एवं समूह समंवयक डा. केएस कपूर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी सरल भाषा है। यह एक वैज्ञानिक भाषा है। इसमें जो बोला जाता है वही लिखा जाता है। उन्होंने संस्थान के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आह्वान किया कि कार्यालय में अधिक-से-अधिक कार्य हिंदी में ही किया जाए तथा राजभाषा अधिनियम तथा इस से संबंधित नियमों का पूरी तरह से पालन किया जाना चाहिए।

संस्थान के हिंदी अधिकारी डा. राज कुमार वर्मा ने कहा कि भारत में अनेक भाषाएं बोली जाती हैं। संविधान कि 34वीं धारा के अनुसार हिंदी को 14 सितंबर 1950 को राष्ट्रभाषा के रूप में घोषित किया गया। उस समय यह निर्णय लिया गया कि संविधान लागू होने के 15 वर्ष बाद हिंदी इस देश की राष्ट्रभाषा होगी अर्थात सन 1965 तक अंग्रेजी को राजभाषा के रूप में मान्यता दी गई, परंतु कुछ कारणों से अब तक हमारे देश में अंग्रेजी का ही बोलबाला है। हिंदी को वह स्थान प्राप्त नहीं हो सका जो उसे मिलना चाहिए था।

एचएफआरआई में आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लेते प्रतिभागी।

**प्रतियोगिता के रिजल्टः** हिंदी पखवाड़े के दौरान संस्थान की ओर से आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में संस्थान के कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर भग लिया। प्रश्न-मंच प्रतियोगिता में दुष्यंत कुमार तथा श्याम-सुंदर ने प्रथम स्थान, गुलेर सिंह तथा कृष्ण देव ने द्वितीय तथा प्रवीण कुमार तथा रोहित की जोड़ी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध लेखन में श्याम-सुंदर ने प्रथम, प्रवीन कुमार ने द्वितीय तथा कृष्ण कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। नारा-लेखन में नर्वदा पाल ने प्रथम, दृष्टि शर्मा ने द्वितीय तथा शिवानी गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को मुख्यातिथि ने पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला में हिन्दी पखवाड़े का हुआ समापन

# प्रश्न मंच में दुष्यंत कुमार व श्याम सुंदर रहे अव्वल

*शिमला : केंद्रीय विद्यालय जतोग में आयोजित हिन्दी पखवाड़े के समापन अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता बच्चे मुख्यातिथि के साथ।*

शिमला, 28 सितम्बर (नितेश): हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाड़े के समापन पर प्रश्न मंच में दुष्यंत कुमार व श्याम सुंदर ने प्रथम, गुलेर सिंह व कृष्ण देव ने द्वितीय तथा प्रवीण कुमार व रोहित की जोड़ी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला में 14 सितम्बर से चल रहे हिन्दी पखवाड़े का समापन सोमवार को हुआ। इस आयोजन के दौरान राष्ट्रभाषा हिन्दी के प्रचार एवं प्रसार हेतु संस्थान द्वारा विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें मुख्य रूप से प्रश्न मंच, निबंध लेखन, नारा लेखन तथा नोटिंग-ड्राफ्टिंग इत्यादि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस समारोह पर कार्यालय अध्यक्ष एवं समूह समन्वयक (शोध) ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि हिन्दी सरल एवं सुबोध भाषा है और यह एक वैज्ञानिक भाषा है, इसमें जो बोला जाता है, वही लिखा जाता है। इसका साहित्य समृद्ध है। तुलसी, सूरदास, मीरा व गुरु नानक ने इसी भाषा में काव्य रचना की। इस अवसर पर हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला के कार्यालय अध्यक्ष डा. कुलराज सिंह कपूर उपस्थित रहे।

हिन्दी पखवाड़े के दौरान संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में संस्थान के कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया, जिसमें निबंध लेखन, नारा लेखन तथा नोटिंग-ड्राफ्टिंग इत्यादि का आयोजन किया गया। निबंध लेखन में श्याम सुंदर ने प्रथम, प्रवीन कुमार ने द्वितीय तथा कृष्ण कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा नारा लेखन में नर्वदा पाल ने प्रथम, दृष्टि शर्मा ने द्वितीय तथा शिवानी गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया।

## केंद्रीय विद्यालय के छात्रों ने प्रस्तुत की कविताएं व हिन्दी गीत

केंद्रीय विद्यालय जतोग छावनी में हिन्दी पखवाड़े का समापन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूर्व पोस्टमास्टर जनरल तथा प्रसिद्ध कवि तेज राम शर्मा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने कविताएं व हिन्दी गीत प्रस्तुत किए। हिन्दी पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित नारा लेखन, आशु भाषण, कहानी लेखन, सुलेख, श्रुत लेख, प्रश्न मंच, हास्य कवि दरबार तथा दोहा-चौपाई-कविता अंत्याक्षरी जैसी विविध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्यातिथि ने पुरस्कृत किया। इसी दौरान प्रशासनिक शब्दावली/कार्यालयी पत्र लेखन तथा मौलिक कविता पाठ के लिए विजेता अध्यापकों व कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने विद्यालय द्वारा राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार तथा कार्यों की प्रशंसा की। हिन्दी पखवाड़े का प्रतिवेदन राजभाषा प्रभारी डा. पंकज कपूर ने प्रस्तुत किया।